पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

पाठ्यक्रम

एम.ए. शिक्षा

MASTER OF ARTS (M.A.) EDUCATION

शिक्षा विभाग

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर
कोनी–बिरकोना मार्ग , बिलासपुर (छ.ग.) 495009
दूरभाष क्रमांक : (07752) 210312 फैक्स : (07752) 213073
www.pssou.ac.in Email – registrar@pssou.ac.in

Jaspal Singh 09/09/2017

पाठ्यक्रम विवरण

एम.ए. शिक्षा – पूर्व

कोर्स कोड	विषय–शीर्षक	प्रश्न–पत्र	क्रेडिट
MAED 01	शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार	प्रथम	8
MAED 02	शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार	द्वितीय	8
MAED 03	शिक्षा में अनुसंधान पद्धतियाँ	तृतीय	8
MAED 04	शैक्षिक तकनीकी	चर्तुथ	8

एम.ए. शिक्षा – अंतिम

कोर्स कोड	विषय–शीर्षक	प्रश्न–पत्र	क्रेडिट
MAED 05	शैक्षिक प्रबन्धन	प्रथम	8
MAED 06	निर्देशन एंव परामर्श	द्वितीय	8
MAED 07	पाठ्यक्रम विकास	तृतीय	8
MAED 08	महिला शिक्षा	चर्तुथ	8
MAED 09	अध्यापक शिक्षा	पंचम	8

विषयवार पाठ्यक्रम विवरण

एम.ए. शिक्षा – पूर्व क्रेडिट 8

शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार

प्रथम प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

भारतीय दर्शन और इसके शैक्षिक निहितार्थ, गीता के शैक्षिक निहितार्थ, जैन दर्शन तथा उसके शैक्षिक निहितार्थ, बौद्ध दर्शन तथा उसके शैक्षिक निहितार्थ, इस्लाम का शिक्षा – दर्शन, अद्वैत वेदान्त दशैन और उसके शैक्षिक निहितार्थ, शिक्षा में उग्रवादी चिन्तन, गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचार.

खण्ड ब

विवेकानन्द के शैक्षिक विचार, डॉ. राधाकृष्णन का शिक्षा दर्शन, महात्मा गांधी का शिक्षा दर्शन, आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद, मनवतावाद,

खण्ड स

अस्तित्ववाद, शिक्षा और संस्कृति, शिक्षा के अभिकरण –परिवार सम–समूह, विज्ञान व प्रोद्यौगिक के युग में शिक्षा, शिक्षा और आधुनिकीकरण, शिक्षा और सांस्कृतिक परिवर्तन, भारत में शिक्षा तथा आर्थिक विकास , भारतीय राजनीति तथा शिक्षा

खण्ड द

भारत में शिक्षा और प्रजातंत्र, शिक्षा और धार्मिक निरपेक्षता, समाजवाद और शिक्षा, शिक्षा और मानव अधिकार, भारत में शिक्षा और मूल्यों की समस्या, शिक्षा और सूचना क्रांति, भविष्य विज्ञान एवं शिक्षा

Jaipal Singh
09/09/2017

शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार

द्वितीय प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

शिक्षा मनोविज्ञान की संकल्पना : मनोविज्ञान कला है या विज्ञान, मनोविज्ञान का क्षेत्र और महत्व, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों में प्रयोग की जाने वाली विभिन्न विधियाँ : (निरीक्षण, परीक्षण, व्यक्ति वृत अध्ययन, साक्षात्कार, सेल्फ रिपोर्टिंग), मनोविज्ञान के प्रमुख सम्प्रदाय, विकास का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रभावित करने वाले तत्त्व (अनुवांशिक, जैविक, सामाजिक), बालक का शारीरिक एवं गामक विकास, बालक का ज्ञानात्मक विकास

खण्ड ब

सामाजिक विकास : अर्थ, प्रक्रिया, परिवर्तन और प्रतिमान, संवेगात्मक विकास, नैतिक विकास : पियाजे तथा कॉलबर्ग के विशेष संदर्भ में, अधिगम का प्रत्यय स्वरूप और प्रकार, अधिगम के सिद्धांत, अधिगम के सूचना प्रसाधन सिद्धांत

खण्ड स

अधिगम का स्थानान्तरण, गेने द्वारा प्रतिपादित अधिगम–अनुक्रम, स्मरण व विस्मरण : प्रभावित करने वाले कारक, व्यक्तित्व के लक्षण एवं प्रभावक तत्व, व्यक्तित्व मूल्यांकन प्रक्षेपी व अप्रक्षेपी विधियाँ, व्यक्तित्व विभिन्नताएँ : संकल्पना, स्वभाव तथा मापन की विधियां

खण्ड द

बुद्धि अवधारणा तथा सिद्धांत, सृजनात्मकता , अभिरुचि : अवधारणा तथा मापन, अभिप्रेरणा संकल्पना तथा अधिगम पर प्रभाव, समायोजन, समाजमिति

Gopal Singh 09/09/2017

शिक्षा में अनुसंधान पद्धतियाँ
तृतीय प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

शैक्षिक अनुसंधान – अर्थ, विषय, परिधि एवं महत्व, शैक्षिक अनुसंधान : लक्ष्य/वैशिष्ट्य, बाधाएं, सीमाएं नैतिक आधार एवं स्तर, शैक्षिक शोध के क्षेत्र (1), शैक्षिक शोध के क्षेत्र (2), शिक्षा अनुसंधान के राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में वरीयता के क्षेत्र, शोध समस्या – चयन और निर्माण, प्राक्कल्पन, दत्त – आवश्यकता, महत्व और प्रकार

खण्ड ब

उपकरण एवं प्राविधियां, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक व समाजमिति परीक्षण तथा उचित परीक्षण का चयन, प्रतिचयन या न्यादर्श का महत्व विधियां आकार एवं प्रतिचयन की त्रुटियां, ऐतिहासिक अनुसंधान उपागम – अर्थ, आवश्यकता, प्रक्रिया सोपान विशेषताएं एवं सीमाएं, दार्शनिक उपागम – अर्थ, आवश्यकता प्रक्रिया सोपान विशेषताएँ एवं सीमाएँ, वर्णनात्मक अनुसंधान उपागम–अर्थ , आवश्यकता, प्रक्रिया, सोपान विशेषताएं एवं सीमाए, प्रयोगात्मक उपागम, क्रियात्मक अनुसंधान

खण्ड स

दत्त की रेखाचित्रीय प्रस्तुति, केन्द्रीय प्रवृत्तियों का मापन, विचलनशीलता के माप, सापेक्ष स्थानिक माप, द्विपद एवं प्रसामान्य बण्टन, प्राचलिक सांख्यिकी, प्रसरण विश्लेषण, सह–संबंध

खण्ड द

प्रतीपगमन विश्लेषण एवं पूर्वानुमान, अप्राचलिक सांख्यिकी, काई वर्ग मध्यांक तथा चिन्ह पूर्वानुमान, कम्प्यूटर, उसका महत्व व प्रयोग, आंकड़ो के विश्लेषण में कम्प्यूटर का स्थान, सामान्यीकरण – अर्थ, आधार औचित्य और निहितार्थ, अनुसंधान प्रायोजना , शोध प्रबन्ध

Jaipal Singh 03/09/2017

HBharmhr.

शैक्षिक तकनीकी
चर्तुथ प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

शैक्षिक तकनीकी : अवधारणा, प्रकृति एवं क्षेत्र, शैक्षिक तकनीकी का सैद्धान्तिक आधार–प्रथम, शैक्षिक तकनीकी का सैद्धान्तिक आधार – द्वितीय, प्रणाली उपागम, भारत में शैक्षिक तकनीकी में शोध की प्रवृत्ति, ई–लर्निंग : अर्थ, रीतियाँ एवं कार्यविधि, ज्ञान रचनावाद

खण्ड ब

अधिगम का प्रबंध, साधिकारिता अधिगम, अभिक्रमित अनुदेशन–संकल्पना, सिद्धांत, प्रकार, प्रक्रिया अभिक्रमित पाठ्यपुस्तक तथा इसके विकास में प्रेसी, स्किनर, क्राउडर, गिलबर्ट का योगदान उचित परीक्षण का चयन, कम्प्यूटर सहायतित अनुदेशन : अवधारणा एवं क्षेत्र, शोध,कार्यालय प्रबंध तथा पुस्तकालय में कम्प्यूटरों का प्रयोग, व्यक्तिपरक अनुदेशन पद्धति, सहयोगात्मक अधिगम, सुक्षम–शिक्षण

खण्ड स

शिक्षण प्रतिमान, अन्तः क्रिया विश्लेषण प्रणाली, शिक्षण व्यूह रचनाएँ, शिक्षण की व्यवस्था, सम्प्रेषण, सम्प्रेषण के सिद्धांत, दृश्य–श्रव्य सहायक सामग्री

खण्ड द

अन्तःक्रियात्मक टेलिविजन, मुद्रित सामग्री का महत्व, औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा में अनुरुपक एवं खेल, माध्यम वर्गीकरण योजना, स्थिर प्रक्षेपित सामग्री एवं गतिशील चित्र, शिक्षा में आकाशवाणी प्रसारण एवं श्रव्य टेप का महत्व तथा रेडियों पाठों का निर्माण, ई.टी.वी. क्लोज सर्किट टी.वी., वी.सी.आर. तथा उपग्रह सम्प्रेषण का महत्व, बहुआयामी उपागम की अवधारणा, भूमिका एवं महत्व, दुरस्थ शिक्षा में मुद्रण आधारित, स्व–अध्ययन सामग्री, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, सी.ए. आई., इन्टरैक्टिव वीडियों, टैलीकॉफैन्सिंग, कम्प्यूटर नैटवर्किंग माध्यम का प्रयोग

07/09/2017

शैक्षिक प्रबन्धन
प्रथम प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

शैक्षिक प्रबन्धन : अवधारणा, परिभाषा एवं सिद्धांत, शैक्षिक प्रबंधन के सिद्धान्त, शैक्षिक प्रबन्धन के उपागम, उद्देश्यों द्वारा शैक्षिक प्रबन्धन (उद्वाप्र), शिक्षा में सम्पूर्ण गुणात्मक प्रबन्ध

खण्ड ब

शैक्षिक योजना, संगठनात्मक पर्यावरण, शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृत्व शैलियाँ, शैक्षिक पर्यवेक्षण, शैक्षिक प्रबन्धन में निर्णयन

खण्ड स

शैक्षिक प्रबन्ध में समन्वय, शैक्षिक प्रबन्धन में दबाव एवं नियंत्रण, स्वोट, शैक्षिक प्रबन्धन में सम्प्रेषण, समय प्रबन्धन

खण्ड द

परिवर्तन प्रबन्धन और नवाचार, शैक्षिक प्रबन्धन के संवैधानिक प्रावधान, विद्यालय प्रबन्ध, शिक्षा में वित्तीय प्रबन्धन, भारत में शैक्षिक प्रबन्धन की प्रणाली एवं संरचना, शैक्षिक निरीक्षण एवं मोनिटरिंग

निर्देशन एवं परामर्श
द्वितीय प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

निर्देशन एवं परामर्श – अर्थ,प्रकृति और क्षेत्र, निर्देशन की आवश्यकता और महत्ता, निर्देशन एवं परामर्श के लक्ष्य तथा सिद्धान्त, निर्देशन के प्रकार – व्यक्तिगत और शैक्षिक

खण्ड ब

व्यावसायिक निर्देशन, परामर्श का अर्थ प्रकृति एवं उपागम, निर्देशन एवं परामर्श की संगठनात्मक योजना, परामर्श सेवाएँ

खण्ड स

निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं के विभिन्न कार्यक्रम, निर्देशन एवं परामर्श में विभिन्न संवाएँ, निर्देशन एवं परामर्श में मूल्याँकन, पाठयचर्या मूल्यांकन के प्रतिमान पाठ्यचर्या विकास के मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ एवं भारत में पाठ्यचर्या अनुसंधान, (I) विभिन्न परीक्षण बुद्धि परीक्षण, (II) अभियोग्यता परीक्षण, (III) सृजनात्मकता, (IV) रूचि परीक्षण, (V) व्यक्तित्व परीक्षण

खण्ड द

परीक्षणों का प्रशासन, फलांकन तथा व्याख्या परीक्षणें की उपलब्धियाँ तथा इसका संप्रेक्षण, निर्देशन एवं परामर्श में नवीन प्रवृत्ति, निर्देशन एवं परामर्शदाता तथा दूरस्थ शिक्षा, निर्देशन एवं परामर्श पर विशलेषणात्मक रिपोर्ट

Gopal Singh 09/09/2017

एम.ए. शिक्षा – अंतिम

क्रेडिट 8

पाठ्यक्रम विकास
तृतीय प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

पाठ्यक्रम की अवधारणा ,लक्ष्य एवं उद्देश्य और व्यक्ति से इसका संबंध, पाठ्यक्रम विकास – प्रक्रिया एवं सिद्धांत, पाठ्यक्रम विकास का इतिहास

खण्ड ब

पाठ्यक्रम के निर्धारक आधार, पाठ्यक्रम में विचारणीय दार्शनिक विचार : दर्शन एक पाठ्यक्रम बल के रूप में, प्रगातिवादी, पुनर्निर्माणवादी,आधारभूतवाद एवं प्रगातिवाद के अनुसार पाठ्यक्रम मूल्यों एवं पाठ्यक्रम के बीच समबन्ध, पाठ्यक्रम के मनोवैज्ञानिक आधारः मनोविज्ञान एक पाठ्यक्रम बल के रूप में,साहचर्यवाद एवं क्षेत्र सिद्धान्त के सन्दर्भ में अधिगम के अधिनियमों की उपयोगिता

खण्ड स

पाठ्यक्रम में विचारणीय सामाजिक आधार : पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृतिः भारत में सामाजिक परिवर्तन (विशेष रूप से विज्ञान एवं तकनीकी के सन्दर्भ में) एवं इसकी पाठ्यक्रम में निहितार्थ, पाठ्यक्रम आकल्पन एवं सगठन : आकल्पन के अवयव एवं स्त्रोत, पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त, पाठ्यक्रम के कार्यन्वयन में पाठ्यचर्या संगठन की विधियाँ, पाठ्यक्रम अभिकल्प : प्रकार एवं वर्गीकरण

खण्ड द

पाठ्यक्रम निर्माण : विभिन मॉडल एवं पाठ्यक्रम निमार्ण के सिद्धान्त, पाठ्यक्रम मूल्यांकन की अवधारणा,आवश्यकता एवं महत्व, पाठ्यक्रम मूल्यांकन के प्रतिमान पाठ्यक्रम विकास के मुददे एवं प्रवृत्तियाँ एवं भारत में पाठ्यक्रम अनुसंधान, विभिन्न शिक्षा आयोग के अनुसार पाठ्यक्रम विकास के सम्बन्ध में सिफारिशें / सुझाव

महिला शिक्षा
चतुर्थ प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

महिला शिक्षा– ऐतिहासिक अवलोकन, महिला शिक्षा – वर्तमान स्थिति, बालिका शिक्षा, राजस्थान में महिला शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा

खण्ड ब

माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, विज्ञान,तकनीकि एवं महिलाएँ, साहित्य,कला एवं मीडिया क्षेत्र में महिलाएँ, शैक्षिक विकास नीतियाँ एवं कार्यक्रम, पंचवर्षीय योजनाएं एवं महिला शिक्षा

खण्ड स

स्वयं सेवी संस्थाएं और महिला शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा, रोजगारोन्मुखी शिक्षा, विभिन्न व्यवसायिक क्षेत्रो में महिलाएँ , कार्यस्थल में महिलायें

खण्ड द

अनौपचारिक शिक्षा और महिलाएँ, लैंगिक परिप्रेक्ष्य : सैद्धान्ति आधार, लिंग संवेदी अध्यापन – अधिगम प्रक्रिया, पाठ्यचर्या निमाण : लौंगिक परिपेक्ष्य, लिंग संवेदी शिक्षक प्रशिक्षण

अध्यापक शिक्षा
पंचम प्रश्न–पत्र

खण्ड अ

शिक्षक शिक्षा का अर्थ,प्रकृति एवं संकल्पना, अधिगमकर्ताओं की आवश्यकताएँ,शैक्षिक प्रणाली अध्यापक शिक्षा, ब्रिटिशकाल एवं स्वातंत्रोत्तर भारत काल में शिक्षक – शिक्षा का विकास, शिक्षक शिक्षा के उद्देश्य एवं राष्ट्रीय नीतियां, शिक्षक शिक्षा की संरचना –स्तर एवं प्रकार

खण्ड ब

अध्यापक प्रशिक्षण की कुछ प्रमुख विशेषतायें– सार्थकता, लचीलापन,एकीकरण और अंतर्विषयता, प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के लिए अध्यापक शिक्षा के पाठ्यक्रम की प्रकृति व संकल्पना, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् की पाठ्यचर्या की संरचना, शिक्षक शिक्षा के राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर के अभिकरण, शिक्षक शिक्षा के राज्य स्तरीय अभिकरण

खण्ड स

व्यावसायिक संगठन तथा उनके उद्देश्य, शिक्षक प्रशिक्षक की व्यवसायिक सामाजिक एवं आर्थिक प्रतिष्ठा, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षकों की अनवरन् शिक्षा : संकल्पना, पद्धिति, महत्व,तकनीकियां एवं मूल्यांकन, शिक्षक शिक्षा के मापदण्ड, प्रवेश नीतियां व चयन प्रक्रिया, शिक्षक प्रशिक्षकों का व्यावसायिक विकास : सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन कार्यक्रम

खण्ड द

शिक्षक प्रशिक्षक संस्थाओं में प्रशासनिक मुद्दे, शिक्षक शिक्षा : प्राथतिक एवं माध्यमिक स्तर पर नियोजन, वित्तीय प्रबन्धन तथा नियंत्रण, केन्द्र सरकार ,राज्य सरकार तथा स्वैच्छिक संगठनों की शिक्षा नियोजन (परियोजना) एवं वित्तीय प्रबन्धन व्यवस्था में भूमिका, शिक्षक शिक्षा में शोध की प्रकृति, प्रासंगिकता, क्षेत्र, समस्याएं प्रवित्तीयाँ, उच्च माध्यमिक तथा माध्यमिक स्तर की शिक्षक शिक्षा में नवाचारिक अभ्यास एवं विदेशों में नवाचार

Jaspal Singh 09/10/2017

NBhambri